भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1100

मंगलवार, दिनांक 09 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

एनजीएचएम के तहत हरित हाइड्रोजन घाटी परियोजनाएं

1100. श्रीमती संगीता यादवः

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) के अंतर्गत तीन नव स्वीकृत हरित हाइड्रोजन घाटी परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) मंत्रालय स्वदेशी इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता की स्थापना में किस प्रकार तेजी ला रहा है;

(ग) क्या हरित हाइड्रोजन उत्पादन प्रोत्साहनों की निगरानी के लिए एक सुदृढ़ तंत्र स्थापित किया गया है;

(घ) मंत्रालय इस्पात और भारी-भरकम परिवहन क्षेत्रों में हरित हाइड्रोजन के उपयोग को किस प्रकार बढ़ावा दे रहा है; और

(ङ) शिपिंग और रेलवे में हरित हाइड्रोजन के उपयोग पर पायलट परियोजनाओं के लिए अंतिम दिशानिर्देश क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत (एनजीएचएम), चार हाइड्रोजन वैली इनोवेशन क्लस्टर्स (एचवीआईसी) जैसे कि जोधपुर एचवीआईसी, पुणे एचवीआईसी, भुवनेश्वर एचवीआईसी तथा केरल एचवीआईसी स्वीकृत किए हैं।

सभी चार एचवीआईसी ने अपनी प्रशासनिक स्थापना प्रक्रिया, कार्मिकों की भर्ती शुरू कर दी है और भूमि/स्थल की तैयारी और उपकरण खरीद में महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रारंभिक अनुसंधान, विकास और तकनीकी गतिविधियां भी शुरू की गई हैं।

(ख) एमएनआरई ने, ग्रीन हाइड्रोजन परिवर्तन के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप (साइट) कार्यक्रम के अंतर्गत 3000 मेगावाट प्रति वर्ष इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग क्षमता आवंटित की है। निर्माताओं को इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन में वर्ष दर वर्ष की वृद्धि का प्रदर्शन करना आवश्यक है।

(ग) एनजीएचएम के तहत प्रदान की गई ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमताओं के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रदर्शन की निगरानी के लिए सचिव, एमएनआरई की अध्यक्षता में एक योजना निगरानी समिति का गठन किया गया है।

इसके अतिरिक्त, कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी), एनजीएचएम के तहत प्रदान की गई ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमताओं की आवधिक समीक्षा करता है। इसके अतिरिक्त, एमएनआरई ने ग्रीन हाइड्रोजन प्रमाणन योजना को भी अधिसूचित किया है। इस प्रमाणन योजना के प्रावधानों के पूर्ण अनुपालन का प्रदर्शन करने पर ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाएं एनजीएचएम के तहत प्रोत्साहन के लिए पात्र होंगी।

(घ) एमएनआरई ने एनजीएचएम के तहत इस्पात क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग के लिए पायलट परियोजनाओं को लागू करने के लिए योजना दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस्पात उत्पादन में हाइड्रोजन के उपयोग को प्रदर्शित करने के लिए इस योजना के तहत पांच (5) पायलट परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

एमएनआरई ने एनजीएचएम के तहत परिवहन क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग के लिए पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए योजना दिशानिर्देश भी जारी किए हैं। भारत में 10 विभिन्न मार्गों पर 9 हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशनों के साथ 37 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को चलाने के लिए पांच (5) पायलट परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

(ड.) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एनजीएचएम के तहत नौवहन क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग के लिए पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए योजना दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस योजना के अंतर्गत, वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण ने बंदरगाह पर ग्रीन मेथनॉल के लिए बंकरिंग और ईंधन भरने की सुविधा के विकास के लिए एक परियोजना प्रदान की है।

एनजीएचएम के अंतर्गत रेलवे में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग के लिए पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए कोई विशिष्ट योजना नहीं है।

****